

ईट स्मार्ट सिटीज चैलेंज (Eat Smart Cities Challenge)

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) द्वारा ईट-स्मार्ट सिटीज चैलेंज (Eat Smart Cities Challenge) के लिए 11 विजेता शहरों की घोषणा की है। ईट-राइट इंडिया दृष्टिकोण को 15 अप्रैल 2021 को शहर स्तर तक विस्तार देने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सहयोग से एमओएचयूए ने यह चैलेंज शुरू किया था।



ईट स्मार्ट सिटीज चैलेंज के पायलट चरण के शीर्ष 11 पुरस्कार विजेता शहर

1. चंडीगढ़,	7. उरकेला,
2. इंदौर,	8. सागर,
3. जम्मू,	9. सूरत,
4. जबलपुर,	10. तुमकूर
5. पणजी,	11. उज्जैन
6. राजकोट,	

ईट स्मार्ट सिटीज चैलेंज के पायलट चरण में शामिल किये प्रमुख मुख्य बिंदु

- शहरों में खाद्य व्यवसायों के लाइसेंस और पंजीकरण में कम से कम 10% की वृद्धि।
- प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध और उसकी जगह प्राकृतिक विकल्पों जैसे 'पत्रावली' या पत्तों के बने बर्तनों का इस्तेमाल प्रयोग।



- खाद्य सुरक्षा पहल के लिए प्रौद्योगिकी आधारित संसाधनों का उपयोग।
- स्वस्थ आहार का विकल्प चुनने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने हेतु कार्टून/कॉमिक पात्रों और वीडियो गेम वाले अभियान चलाना।
- शहरी विकास योजना में खाद्य नीति को शामिल करना।
- पारंपरिक भोजन बनाम फास्ट/अल्ट्रा प्रोसेस्ड भोजन के पोषण तत्वों को हाइलाइट करने वाले स्वस्थ आहार अभियान।
- ट्रांस-फैट मुक्त @75 अभियान को आगे बढ़ाना।
- प्रमुख पोषण संदेशों के जरिए नागरिकों को प्रशिक्षण देना।
- नागरिकों के बीच पोषण, भोजन और स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न अभियानों में चिकित्सा समुदाय को सम्मिलित करना। परिवारों की खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक खाद्य सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना और छोटे/सूक्ष्म व्यवसायों को लक्षित करना।
- पोषण के लिहाज से विविधता भरे आहार का समर्थन करने के लिए माता-पिता को शामिल कर स्कूल पोषण एक्शन ग्रुप की स्थापना।
- खाद्य महोत्सवों के दौरान नागरिकों की भागीदारी और लाखों लोगों को आकर्षित करने वाले त्योहारों के लिए खाद्य सुरक्षा/स्वास्थ्य मार्गदर्शन।

ईट स्मार्ट सिटीज चैलेंज में शामिल शहरों के उत्कृष्ट कार्य:

चंडीगढ़	<ul style="list-style-type: none"> • खाद्य उद्योग के हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करना। • शहरों के शैक्षणिक संस्थानों में जारी व्यवहार परिवर्तन अभियानों को व्यापक स्तर पर शुरू करने की महत्वाकांक्षी योजना।
इंदौर	<ul style="list-style-type: none"> • घरेलू स्तर पर रीसाइक्लिंग और एक खाद्य अधिशेष कार्यक्रम जिसमें बढ़ा हुआ भोजन दान करने वाले 100 व्यवसाय शामिल, साथ ही स्थायी खाद्य नीति संबंधी उठाए गए कदम।
जम्मू	<ul style="list-style-type: none"> • खाद्य और खाद्य अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के साथ शहरी कृषि परियोजनाएं।
जबलपुर	<ul style="list-style-type: none"> • व्यापकता और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित करने के लिए पहलों के लिहाज से एक खाद्य सुरक्षा बोर्ड की स्थापना की गई है। • बच्चों में मोटापे की समस्या से निपटने के लिए वजन प्रबंधन/व्यवहार परिवर्तन को लेकर पहल। • इसमें कार्टून किरदारों/दिलचस्प शैक्षणिक संसाधनों का इस्तेमाल शामिल है। महिलाएं व्यवहार परिवर्तन हस्तक्षेपों का केंद्र बिंदु हैं।
पणजी	<ul style="list-style-type: none"> • माइक्रो या होम कुकिंग व्यवसाय को पंजीकृत करने का प्रयास। • खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता उपायों को लागू करने के लिए शहर की ओर से खाद्य उत्पादकों को प्रोत्साहन।



राजकोट	<ul style="list-style-type: none"> ● घरेलू स्तर पर खाद्य सुरक्षा बढ़ाना । ● पोषण और भोजन में विविधता को बढ़ावा देने के लिए माता-पिता को स्कूल खाद्य कार्रवाई समूहों में शामिल करना ।
राउरकेला	<ul style="list-style-type: none"> ● शहर खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए एक आर्थिक दृष्टिकोण की स्थापना । ● यह शहर कचरे को कम करने के मिशन के साथ सौर ऊर्जा से संचालित कोल्ड स्टोरेज और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना । ● राउरकेला का लक्ष्य '15-मिनट सिटी' बनना ।
सागर	<ul style="list-style-type: none"> ● शहर नागरिकों को शामिल करने और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए उपाय विकसित करना। ● खाद्य क्षमता कौशल के विकास और युवा पोषण एंबेसडरों को प्रशिक्षण देने में सहायता के लिए शहर की ओर से बच्चों के लिए एक वीडियो गेम तैयार करना।
सूरत	<ul style="list-style-type: none"> ● बेघर लोगों के लिए पहल करने वाला पहला शहर। ● प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना ।
तुमकूर	<ul style="list-style-type: none"> ● यह शहर सर्कुलेरिटी और कचरा कम करने की पहल पर विशेष रूप से करना। ● एक व्यापक पोषण शिक्षा कार्यक्रम।
उज्जैन	<ul style="list-style-type: none"> ● किसानों की शिक्षा सहित फल और सब्जी मंडियों का सहयोग करना। ● 50 प्रतिशत स्कूलों को जोड़ा गया और एक पेशेवर चिकित्सा संगठन पोषण शिक्षा प्रदान करना। ● हाइड्रोपोनिक्स को शामिल करते हुए 250 घरों की एक कॉलोनी में 'स्थायी खाद्य प्रणाली' पहल शुरू करना।

